

---

.. Shri Rama Arati ..

॥ श्री राम आरती ॥

---

काय करुं गे माय आतां कवणा ओंवाळूं ।  
जिकडे पाहे तिकडे राजाराम कृपाळू ॥ धृ ॥

ओंवाळूं गे माय निजमूर्ति रामा ।  
रामरूपी दुजेपणा न दिसे आम्हा ॥ १ ॥

सुरवर नर वानर अवधा राम सकल ।  
दैत्य निशाचर तेही राम केवळ ॥ २ ॥

त्रैलोक्यस्वरूपें राम संचारला एक ।  
सद्गुरुकृपें केशवराजी आनंद देख ॥ ३ ॥

इति

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

Last updated January 24, 1999